विवाद में रहने वाले मैना को फिर मिली अस्पताल की कमान

मैना का हर कार्यकाल रहा है विवादित, लेकिन फिर उनके ही भरोसे अस्पताल

शाजापुर, 3 जुलाई. शाजापुर का अस्पताल भले ही ट्रामा सेंटर बन गया है. भवन बन गया, संसाधन आ गए, लेकिन अस्पताल की दुर्दशा और अव्यवस्था आज तक कोई ठीक नहीं कर पाया है. अस्पताल की अव्यवस्था दूर करने के दावे तो बहुत किए गए हैं, लेकिन अस्पताल में आए दिन अव्यवस्थाओं को लेकर मरीजों को हंगामा करना पड़ता है. एक बार फिर हर विवाद में रहने वाले और आर्थिक अनियमितता के आरोप लगने वाले डॉ. बीएस मैना को फिर से सिविल सर्जन की कमान मिल गई है. उनके कार्यकाल में एक बार तो भाजपा नेताओं को व्यवस्था सुधारने के लिए पैर तक पड़ना पड़े थे. लगता है कि शाजापुर अस्पताल की किस्मत में मैना है और मैना की किस्मत में है शाजापुर अस्पताल.

गौरतलब है कि एक बार फिर शाजापुर जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन का चार्ज डॉ. बीएस मैना को दिया गया है. पूर्व में भी डॉ. मैना पर आर्थिक अनियमितता के कई गंभीर आरोप लगे थे. मामला लोकायुक्त तक गया था. और कुछ समय के लिए वे निलंबित भी हुए थे. यहां तक कि वे शाजापुर से स्थानांतरित भी कर दिए गए थे, लेकिन 2022 में वे फिर से सिविल सर्जन बनकर आए. लेकिन अस्पताल की व्यवस्था इतनी बिगड़ गई थी कि भाजपा के तत्कालीन जिलाध्यक्ष को अस्पताल की व्यवस्था सुधारने के लिए सिविल सर्जन मैना के पैर तक पड़ना पड़े थे. हमेशा विवादों और आर्थिक अनियमितता के घेरे में रहने वाले डॉ. बीएस मैना को एक बार फिर सिविल सर्जन का चार्ज मिला है. अब देखना यह है कि इस बार का यह कार्यकाल उनका पूर्व कार्यकाल जैसा ही रहता है या फिर इस बार वे वाकई बीमार अस्पताल को सुधार पाते हैं या नहीं.

घूम फिरकर मैना ही बन जाते हैं सिविल सर्जन

अब इसे संयोग कहें या प्रयोग. जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन तमाम विवादों में रहने के बाद डॉ. बीएस मैना ही बनाए जाते हैं. अब दूसरे डॉक्टर सिविल सर्जन बनना नहीं चाहते हैं या मैना इस कुर्सी को छोड़ना नहीं चाहते हैं. 2022 से 2024 तक डॉ. मैना सिविल सर्जन रहे. उनका स्थानांतरण हुआ. स्थानांतरण के बाद वे फिर शाजापुर आए. और एक बार फिर उन्हें सिविल सर्जन बनाया गया.

आर्थिक अनियमितताओं के लगे हैं कई आरोप

डॉ. बीएस मैना सबसे पहले जब सिविल सर्जन बने थे, तो उन पर अपने भतीजे को अवैध रूप से नौकरी पर रखने के आरोप लगे थे. बाद में भतीजे को नौकरी से हटाया गया था. अस्पताल की सुरक्षा एजेंसी एवं अन्य एजेंसी को लेकर भी आर्थिक अनियमितता के आरोप लगे. मप्र स्वास्थ्य संचालनालय के तत्कालीन संयुक्त संचालक द्वारा उनकी आर्थिक अनियमितता की जांच भी की गई थी. मामला लोकायुक्त तक भी पहुंचा था. इस मामले में वे निलंबित भी हुए थे. बाद में उन्हें शाजापुर जिले से हटाया था, लेकिन फिर वे शाजापुर आए और सिविल सर्जन बने. फिर उन पर गंभीर आरोप लगे, उनका तबादला किया गया 2024 में. अब एक बार फिर 2025 में उन्हें सिविल सर्जन की कमान सौंपी गई है.

क्यों नहीं हो रहा अस्पताल का इलाज?

यूं तो अस्पताल में मरीजों का इलाज होता है. लेकिन जिला अस्पताल अव्यवस्थाओं के वायरस और आर्थिक अनियमितता के कीटाणुओं से लंबे समय से ग्रसित है. मरीजों का आए दिन अव्यवस्थाओं को लेकर हंगामा, महिलाओं की डिलीवरी करने के नाम पर अवैध वसूली के कई मामले देखने को मिले हैं. यहां तक कि अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर भाजपा-कांग्रेस के नेताओं ने भी कई बार आंदोलन किया. अस्पताल की व्यवस्था सुधारने के लिए जिला प्रशासन ने एक डिप्टी कलेक्टर को नोडल अधिकारी भी बनाया, लेकिन उसके बाद भी अस्पताल की व्यवस्था नहीं सुधरी. हर सिविल सर्जन चार्ज लेने के बाद दावा तो करता है कि अस्पताल में मरीजों को बेहतर उपचार दिया जाएगा, लेकिन ये दावा केवल दावा बनकर ही रह जाता है. शाजापुर जिला अस्पताल की अव्यवस्थाओं का आखिर कौन करेगा इलाज...?

एक नजर में

कलश यात्रा में जल बचाने का दिया संदेश

सुसनेर, 3 जुलाई. गुरूवार को मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद सुसनेर के सेक्टर देहरिया के गांव करकड़िया में विशाल कलश यात्रा का आयोजन किया गया. इसमें मातृ शक्ति ने सिर पर कलश लिए भगवान का जलाभिषेक किया. इस यात्रा के माध्यम से सभी ने जल बचाने का संदेश दिया. जिसमें ग्रामीण जन, विद्यार्थी एवं मां कालिका मंदिर के पुजारी राम गोपाल बैरागी द्वारा महाआरती की गई. बीएसडब्ल्यू के छात्र बालचंद बैरागी देहरिया एवं राकेश शर्मा द्वारा व्यक्त किया गया एवं परामर्शदाता कैलाश नारायण विश्वकर्मा भी उपस्थित रहे.

ग्राम माल्याहेड़ी में संपन्न हुई भारतीय किसान संघ की बैठक

मोहन बड़ोदिया, 3 जुलाई. भारतीय किसान संघ तहसील मोहन बड़ोदिया की मासिक बैठक ग्राम माल्याहेड़ी में गुरुवार दोपहर 12 बजे संपन्न हुई. बैठक में प्रांत महामंत्री रमेश दांगी मौजूद रहे. बैठक का शुभारंभ भगवान बलराम जी के पूजन अर्चन के साथ हुआ. जिला अध्यक्ष सवाई सिंह सिसोदिया ने भारतीय किसान संघ की स्थापना, भारतीय किसान संघ के उद्देश्य, कार्य योजना सहित किसानों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत प्रकाश डाला. प्रांत महामंत्री रमेश दांगी ने भारतीय किसान संघ के उद्देश्यों की व्याख्या की. वर्तमान में भारतीय किसान संघ द्वारा किए गए कार्यों को बताया और कहा कि भारतीय किसान संघ हमेशा किसानों की समस्या को हल करता आया है और करता रहेगा. कार्यक्रम का संचालन तहसील मंत्री नरेंद्र पाटीदार ने किया और आभार मोहन बड़ोदिया तहसील उपाध्यक्ष गोकुल सिंह ने माना. इस दौरान भारतीय किसान संघ के शाजापुर जिला अध्यक्ष सवाई सिंह सिसोदिया, जिला मंत्री मुकेश पाटीदार, जिला कोषाध्यक्ष ललित नागर, जिला प्रचार प्रसार प्रमुख भारत सिंह नाहर, मोहन बड़ोदिया तहसील अध्यक्ष शंकर कुम्भकार, तहसील मंत्री नरेन्द्र पाटीदार, उपाध्यक्ष अशोक फौजी, गोकुल सिंह सहित तहसील कार्यकारिणी सदस्य, ग्राम समिति सदस्य एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे.

कक्षा 6 से 8 तक के शिक्षकों का प्रशिक्षण

मोहन बड़ोदिया, 3 जुलाई. शासकीय महाविद्यालय मोहन बड़ोदिया में नवीन पाठ्य पुस्तक आधारित शिक्षकों का प्रशिक्षण 2 जुलाई से शुरू हुआ जो 3 जुलाई को भी संचालित रहा. कक्षा 6 से 8 तक के शिक्षकों के प्रशिक्षण में मुख्य अतिथि प्राचार्य शर्मा, बीआरसी योगेश भावसार, बीएसी बृजमोहन कारपेंट, मास्टर ट्रेनर सत्यनारायण पाटीदार, शुभम शर्मा, विनीत जैन, ओमप्रकाश परमार एवं शिक्षक उपस्थित रहे.

महाविद्यालय में दीक्षारंभ समारोह संपन्न

मोहन बड़ोदिया, 3 जुलाई. मोहन बड़ोदिया के शासकीय महाविद्यालय में सत्र 2025-26 में नव प्रवेशित विद्यार्थियों का तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम संपन्न हुआ. गत 1 जुलाई से 3 जुलाई तक आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई. प्रथम दिवस सरस्वती पूजन के पश्चात नव प्रवेशित विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया. नवीन तथा पूर्व प्रवेशित विद्यार्थियों का आपसी परिचय करवाते हुए, संस्था की मूलभूत संरचना से परिचय करवाया गया. द्वितीय दिवस में सरस्वती पूजन के बाद प्राचार्य डॉ. एसके तिवारी, सौम्या सिंह तोमर, सायरा बानो खान एवं अभय भोसले द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए क्रमशः महाविद्यालय स्टाफका परिचय, पुस्तकालय एवं क्रीड़ा गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई. तृतीय दिवस के समापन समारोह का शुभारंभ जनभागीदारी अध्यक्ष मुरलीधर सोनी एवं प्राचार्य द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के द्वारा हुआ. छात्रा शिवानी सूर्यवंशी, राधा एवं करुणा बैरागी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की. प्राचार्य के स्वागत उद्बोधन के पश्चात डॉ. राजकुमार सूत्रकार, डॉ. वंदना मंडोर, गोपाल वर्मा ने महाविद्यालय में संचालित विभिन्न विषयों की पाठ्यचर्या से अवगत करवाया. कार्यक्रम संचालक डॉ. केशव शर्मा ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत संचालित स्नातक पाठ्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा एवं परीक्षा योजना की जानकारी प्रदान की. जनभागीदारी अध्यक्ष मुरलीधर सोनी ने अपने वक्तव्य में महाविद्यालय के नवीन आर्यावर्त नामकरण एवं इसके औचित्य पर अपनी बात रखते हुए विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी एवं उनकी हरसंभव सहायता करने के लिए आश्वस्त किया. राष्ट्रगान के पश्चात अतिथिगण एवं विद्यार्थियों को पुस्तकालय का भ्रमण करवाया गया. पुस्तकालयाध्यक्ष श्रीमती सौम्या सिंह तोमर ने तत्सबंधी सभी योजनाओं एवं अध्ययन में लाइब्रेरी के समूचित उपयोग के बारे में बताया. अंत में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत जनभागीदारी अध्यक्ष, प्राचार्य, स्टाफ सदस्य एवं विद्यार्थियों द्वारा परिसर में वृक्षारोपण किया गया. प्रसाद वितरण के साथ ही कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें समस्त स्टाफ सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे.

प्रवेश हेतु 29 जुलाई तक होंगे आवेदन

सुसनेर, 3 जुलाई. शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अधीनस्थ आवासीय विद्यालय जवाहर नवोदय विद्यालय सुसनेर जिला आगर मालवा में सत्र 2026-27 कक्षा छटवीं में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा 13 दिसंबर 2025 को जिले मे प्रत्येक विकासखंड में होगी. परीक्षा में भाग लेने हेतु विद्यार्थी अपना ऑनलाइन आवेदन 29 जुलाई तक कर सकते है. इस परीक्षा हेतु वे विद्यार्थी आवेदन कर सकते है जो आगर मालवा जिले के किसी शासकीय, अर्द्धशासकीय या शासकीय मान्यता प्राप्त विद्यालय में कक्षा पांचवीं में सत्र 2025-26 में अध्ययनरत हो तथा पालक इसी जिले के निवासी हो. बच्चे का जन्म 01 मई 2014 से 31 जुलाई 2016 के बीच होना चाहिए. इच्छुक विद्यार्थी नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाईट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है. इसके लिए वेबसाईट से एक सर्टिफिकेट डाउनलोड करना होगा.

गांव में एसपी, तो शहर में पीपी कर रहे हैं राजनीति...

पॉलिटिकल इनसाइड
मनोज पुरोहित

गांव में भौजी, काकी प्रधान तो बन गई, लेकिन प्रधानी काका या भाई साहब ही संभाल रहे हैं. गांव में एसपी (सरपंच पति) का जोर है. अब पतियों के लिए खुशखबरी है कि वे अभी तक सिर्फ पति थे, अब जनता के बीच एसपी और पीपी बनकर गांव की चौपाल पर सम्मान से बैठ रहे हैं. जिनके नाम से चुनाव जीता गया, वो चुनाव जीतने के बाद भौजी, काकी, भाभी, दीदी घर संभाल रही हैं. और उनके 'वो' आवेदनों पर ठप्पा लगा रहे हैं. राजनीति में यह नया पद यूं तो संवैधानिक नहीं है, लेकिन आपको पार्षद पति हर परिषद में सुबह से ही जेब में सील लेकर मिल जाते हैं, तो गांव में भी एसपी (सरपंच पति) चुलबुल पांडे की तर्ज पर चौराहों पर नजर आ जाते हैं. चुनाव जीतने के बाद अपनी अर्द्धांगिनी के प्रतिनिधि बनकर सिर फर्क से ऊंचा कर ग्राम पंचायतों और नगरपालिका, नगर परिषद में पतियों का बोलबाला है. इसे लोकतंत्र की खूबसूरती कहें या विडंबना, जहां प्रतिनिधि का कोई संवैधानिक पद नही है, लेकिन हर जगह आपको प्रतिनिधि मिल जाएंगे. जनता ने चुना था जनप्रतिनिधियों को, लेकिन जनप्रतिनिधियों ने चुन लिया अपना प्रतिनिधि. तत्कालीन जिला पंचायत अध्यक्ष ने पूरे पांच साल एपी (अध्यक्ष प्रतिनिधि) बनकर राज किया. तो शाजापुर नगर पालिका में भी पुरानी परिषद में पूरे पांच साल एपी (अध्यक्ष प्रतिनिधि) का ही जलवा रहा और एपी (अध्यक्ष प्रतिनिधि) के साथ ही पीपी (पार्षद प्रतिनिधि) नजर आते थे. यह सिलसिला अभी भी जारी है. शाजापुर नगर पालिका में कई पीपी याने पार्षद प्रतिनिधि नजर आ जाएंगे. केवल परिषद की बैठक में ही असली पार्षद नजर आते हैं, बाकी पूरे काम पीपी याने पार्षद प्रतिनिधि ही करते हैं. यही हाल ग्राम पंचायतों का है. कई ग्राम पंचायतों में तो एसपी याने सरपंच प्रतिनिधि ही अपनी सरपंच पत्नी के नाम की सील लगाकर ग्राम सभा की बैठकें निपटा देते हैं. जिन वार्डों से जनता ने महिला को पार्षद बनाया, वे घर का चौका-चूल्हा संभाल रही हैं औरउनके पति परिषद में पार्षद प्रतिनिधि बनकर कामकाज देख रहे हैं. कहने को यह पद संवैधानिक नहीं है, लेकिन नगर पालिका में सबसे ज्यादा पार्षद प्रतिनिधियों की ही धूम देखने को मिल रही है. पार्षद पति हो या सरपंच पति हो, इनका जलवा पार्षद और सरपंच से कम नहीं है. क्योंकि वे अपनी धर्मपत्नी के प्रतिनिधि के रूप में उसी ठप्पे के साथ ग्राम पंचायत और नगर पालिका में पहुंचते हैं, मानो जनता ने उन्हें ही चुना हो. बस केवल परिषद की बैठक में ही असली पार्षद के दर्शन होते हैं और उस समय असली महिला पार्षद को उनके पति केवल एक ड्रायवर की भूमिका में रहते हैं जो परिषद की बैठक हॉल में छोड़कर बाहर अपनी पार्षद पत्नी का इंतजार करते हैं. ऐसा अवसर महीने में एकाध बार ही आता है जब जनता की चुनी असली महिला पार्षद के दर्शन होते हैं. बाकी समय तो पार्षद पति ही अपनी झलक दिखाते रहते हैं और पार्षद पतियों के जलवे के आगे असली पार्षद फीके नजर आते हैं. परिषद केकर्मचारियों के आगे उनके तेवर असली पार्षदों से भी अव्वल रहते हैं और कर्मचारी भी पार्षद पतियों को असली पार्षद मानकर पूरी तवज्जौ देते हैं. जबकि यह फर्जीवाड़ा पूरी तरह असंवैधानिक है और खुलेआम किया जा रहा है. उसके बाद भी कोई पूछने वाला नहीं है कि पार्षद आप हो या आपकी वो...?

सरपंच पति और पार्षद पति कहलवाना गौरवान्वित करता है...

एक फिल्म थी सौतन, जिसमें एक गीत था सासु तीरथ, ससुरा तीरथ, तीरथ साला-साली है, दुनिया के सब तीरथ झूठे, चारों धाम घरवाली है... कुछ इसी तरह का आलम उनका है, जिनकी पत्नियां पार्षद हैं. अपनी पत्नी को पार्षद बनाकर उनके पति घरवाली को चार धाम से कम नहीं मान रहे हैं. वैसे तो समाज में पति को परमेश्वर का दर्जा दिया जाता है, लेकिन जिन पतियों की पत्नी पार्षद है, उनके लिए उनकी पत्नियां ही परमेश्वर से कम नहीं है. क्योंकि राजनीतिक वैतरणी पार्षद पति के रूप में ही पार हो रही है. पत्नियां अभी घर के झाड़ू पौछे में लगी है. भले ही जनता ने उन्हें पार्षद बना दिया हो. अक्सर देखा गया है कि पुरुष की पहचान से ही उसकी पत्नी की पहचान होती है. कोई भी पति ये नहीं चाहता कि उसकी पहचान उसकी पत्नी से हो, लेकिन ये राजनीति का ही कमाल है कि हर पति चाह रहा है कि उसकी पत्नी से उसकी पहचान बने और अब ऐसे ही पति सरपंच पति और पार्षद पति कहलाने में स्वयं गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं.

जो ट्रांसफॉर्मर थे, वो हो गए फ्यूज बल्बों की झालर

भाजपा की राजनीति में बीते तीन साल से जो नेता जिले की राजनीति में ट्रांसफॉर्मर बनकर लोगों को करंट दे रहे थे. राजनीति ने ऐसा करवट बदला कि इनके ट्रांसफॉर्मर से राजनीतिक जम्फर निकल गया और वे इन दिनों फ्यूज बल्बों की झालर बनकर रह गए हैं. जो असंतुष्ट हैं या जो ट्रांसफॉर्मर से दूर हैं, वे इन दिनों फ्यूज बल्बों की झालर में लटककर टिमटिमा रहे हैं. राजनीति में कब समय बदल जाए, कौन अर्श पर आ जाए और कौन फर्श पर आ जाए, कह नहीं सकते हैं. जो लोग बीते सालों में अर्श पर थे, वे इन दिनों राजनीति के फर्श पर हैं और जो लोग बीते सालों में फर्श पर थे, वे इन दिनों राजनीति के अर्श पर हैं.

अंत में...

इन से उम्मीद न रख हैं ये सियासत वाले, ये किसी से भी मोहब्बत नहीं करने वाले.

कंठाल के जल से होगा ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग का अभिषेक

18 को निकलेगी बोलबल कावड़ यात्रा, तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

सुसनेर, 3 जुलाई. प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बोल बम कावड़ यात्रा संघ के तत्वावधान में ओंकारेश्वर महादेव का जलाभिषेक करने हेतु कावड़ यात्रा निकाली जाएगी. इसको लेकर बुधवार रात को मेला ग्राउंड स्थिति शीलता माता मंदिर में बोल बम कावड़ यात्रा संघ की बैठक आयोजित की गई. जिसमें तैयारियों को लेकर रूपरेखा तैयार की गई.

बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार इस वर्ष सावन माह के दौरान 18 जुलाई को बोल बम के सभी कावड़िये कंठाल नदी के तट पर स्थित नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर में अलसुबह महारूद्राभिषेक करेंगे. उसके पश्चात क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि एवं नगर में अच्छी वर्षा की कामना को लेकर अपनी कावड़ में कंठाल नदी का जल भरकर ओंकारेश्वर महादेव के लिए रवाना होंगे. इस दौरान सभी कावड़िये नगर के सभी धार्मिक स्थलों के दर्शन करते हुए शहर से रवाना होंगे. वे करीब 180 किलोमीटर की दूरी तय करके ओंकारेश्वर महादेव का जलाभिषेक करेंगे. इस यात्रा के दोरान सभी कावड़िये बाबा बैजनाथ महादेव व उज्जैन के महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का भी जलाभिषेक करेंगे. बैठक में बोल बम कावड़ यात्रा संघ के विनोद सोलंकी, मंगल माली, लखन वाल्मिकी, अनिल वाल्मिकी, संजय माली, सोनू माली, गणेश माली, करण माली, गोविंद माली, रविन्द्र मीणा, मुकेश लोहार, रामलखन गायरी व राजा बम बैरागी उपस्थित रहे.

बच्चों को भिक्षा नहीं शिक्षा दें

बाल भिक्षावृति की रोकथाम के लिए जागरूक किया

शाजापुर, 3 जुलाई. बाल भिक्षावृति की रोकथाम के लिए गत दिवस जिला टास्क फोर्स दल द्वारा शाजापुर शहर के बेरछा रोड स्थित अयोध्या बस्ती, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी एवं गढोली मक्सी में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. साथ ही 2 स्कूल ड्रापआउट, 1 दिव्यांग, 3 विद्यालय में अप्रवेशित एवं 2 ऐसे बच्चे जिनके दस्तावेज न होने के कारण विद्यालय नहीं जा पा रहे हैं का चिन्हांकन किया गया.

महिला एवं बाल विकास जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय त्रिपाठी ने बताया कि जिले में बाल भिक्षावृति रोकथाम के लिए कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना के निर्देशानुसार एवं महिला एवं बाल विकास जिला कार्यक्रम अधिकारी व सहायक संचालक सुश्री नीलम चौहान के मार्गदर्शन में राज्य शासन द्वारा सड़क पर रहने वाले बच्चों के पुनर्वास के लिए नीति 2022 में दिए गए प्रावधान अनुसार कार्ययोजना तैयार कर 1 जुलाई से 20 जुलाई तक बाल भिक्षावृति रोकथाम के लिए अभियान चलाया जा रहा है. जिले में बाल भिक्षावृति रोकथाम अभियान का प्रथम चरण 1 जुलाई से 20 जुलाई तक चलाया जा रहा है, जिसकी कार्ययोजना तैयार की गई है, जिसमें दल द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है एवं स्कूल ड्रॉपआउट, दिव्यांग, जिन बच्चों का विद्यालय में प्रवेश नहीं है एवं जो बच्चे दस्तावेज न होने के कारण विद्यालय नहीं जा पा रहे हैं का चिन्हांकन किया जा रहा है. चिन्हांकित बच्चों को संबंधित विभागों से समन्वय कर बच्चों को शिक्षा एवं शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओ से जोड़ा जाएगा.

एक नजर में — गर्ल्स कॉलेज में दीक्षारंभ समारोह आयोजित, नवप्रवेशित छात्राओं का किया स्वागत

नवीन शिक्षा नीति के अंतर्गत विषय संरचना को समझाया

शाजापुर, 3 जुलाई. किला परिसर स्थित शासकीय कन्या महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग से प्राप्त निर्देशानुसार दिनांक 01 जुलाई से 03 जुलाई 2025 तक सत्र 2025-26 में नवप्रवेशित छात्राओं हेतु अभिप्रेरण कार्यक्रम अंतर्गत दीक्षारंभ समारोह आयोजित किया गया.

आयोजन के तहत नवप्रवेशित छात्राओं का तिलक लगाकर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया. प्रभारी प्राचार्य डॉ. पी. मूंदड़ा ने स्वागत भाषण एवं संस्था का परिचय देते हुए महाविद्यालय स्टाफ से छात्राओं का परिचय करवाया. इसके पश्चात डॉ. कपिल जाटव ने नवीन शिक्षा नीति के अंतर्गत विषय संरचना को समझाते हुए विषय के महत्व पर प्रकाश डाला. डॉ. रितेश महाड़िक ने महाविद्यालय में संचालित विभिन्न विषयों के अंतर्गत परियोजना कार्य, इंटर्नशिप एवं सीसीई की उपयोगिता को समझाया. श्रीमती दीपिका गुप्ता ने महाविद्यालय में शासन द्वारा संचालित विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं को विस्तार से छात्राओं को समझाया. श्रीमती शबाना कुरैशी ने राष्ट्रीय सेवा योजना की उपयोगिता बताते हुए छात्राओं को समाजसेवा के लिए प्रेरित किया. इसके पश्चात डॉ. ऋचा सक्सेना ने स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं इको क्लब की जानकारी प्रदान करते हुए रोजगारोन्मुखी विषयों पर विस्तार से चर्चा की. महाविद्यालय के लेखा प्रभारी जेपी माथुर ने महाविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं से छात्राओं को अवगत कराया. कार्यक्रम का संचालन एवं आभार डॉ. संदीप कुमार सिंह ने माना. इस अवसर पर अनिल नागर, नरेन्द्र भाटी, विजय सिंह विश्वकर्मा, शंकरलाल कुशवाह एवं नवप्रवेशित छात्राएं उपस्थित रहीं.

डेंगू जनजागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

शाजापुर, 3 जुलाई. मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम एवं बचाव के लिए जिला मलेरिया विभाग द्वारा जागरूकता रथ निकला जा रहा है. जिला मलेरिया कार्यालय शाजापुर में डेंगू निरोधक माह की कार्यशाला का आयोजन किया गया. जिला मलेरिया अधिकारी आरएस जाटव ने डेंगू जनजागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. डेंगू व चिकनगुनिया से मुक्ति के लिए जनजागरूकता रथ सम्पूर्ण नगरीय सीमा में भ्रमण कर डेंगू से बचाव की जानकारी के पेम्पलेटस वितरण से प्रचार प्रसार करने का कार्य भी करेगा. जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि मलेरिया निरीक्षक एवं लेब टेक्निशियन को निर्देशित किया गया है कि वे अपने ब्लॉक में डेंगू, चिकनगुनिया से बचाव एवं रोकथाम के लिए जनसमुदाय में व्यापक प्रचार प्रसार कर जनजागृति लाएं.